Krishi Kumbh
Online E-Magazine
Www.KrishiKumbh.Com

कृषि कुंभ

E-ISSN: 2582-9769

कृषि कुंभ
हिंदी मासिक पत्रिका

खण्ड 05 भाग 08, (जनवरी, 2026)
पृष्ठ संख्या 31

# हिमाचल में मृदा उपयुक्तताः ब्लूबेरी की खेती

**डॉ. अंशू**

चौधरी सरवण कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश, भारत।

**Email Id:** – sharotrianne2476@gmail.com

## सारांश

हिमाचल प्रदेश की मध्य–पहाड़ी जलवायु और मिट्टी ब्लूबेरी उत्पादन के लिए अनुकूल पाई गई है। यह लेख किसानों को मृदा–तैयारी, पोषण प्रबंधन और व्यावहारिक तकनीकों पर मार्गदर्शन देता है। ब्लूबेरी एक उच्च मूल्य वाली "सुपरफूड" फसल है, जो किसानों को सेब जैसी पारंपरिक फसलों के विकल्प के रूप में लाभकारी अवसर प्रदान करती है।

## परिचय

ब्लूबेरी अब केवल विदेशी फल नहीं रहा, बल्कि हिमाचल में एक व्यवहार्य और लाभकारी विकल्प बन रहा है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और पोषक तत्व प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। किसानों के लिए सही मिट्टी और जलवायु का चयन ही सफलता की कुंजी है।

## मृदा आवश्यकताएँ

- पीएच 4.5–5.5 आदर्शय हिमाचल की मिट्टी सामान्यतः 5.8 होती है, जिसे सल्फर या जैविक पदार्थ मिलाकर अम्लीय बनाया जा सकता है।
- **जलनिकासीः** ब्लूबेरी जलभराव सहन नहीं करतीय रेत या उठे–बेड का प्रयोग करें।
- **जैविक पदार्थः** 4–8% कार्बनिक पदार्थ (कंपोस्ट, कोकोपीट, वर्मी कम्पोस्ट) उपयोगी।
- **टेक्सचरः** हल्की दोमट (sandy loam) मिट्टी उपयुक्तय भारी चिकनी मिट्टी से बचें।

## मृदा परीक्षण

- खेत की 15–20 जगहों से 0–20 सेमी गहराई तक सैंपल लें। पीएच, EC, ऑर्गेनिक कार्बन, N,P&K, Ca, Mg की जाँच करें।
- पीएच अधिक होने पर सल्फर का प्रयोग करेंय बहुत कम होने पर चूना न डालें।

## मृदा संशोधन

- **पीट मॉस/कोकोपीटः** 30–50% तक मिलाएँ।
- **सल्फरः** पीएच घटाने हेतु नियंत्रित मात्रा में प्रयोग करें।
- **मल्चिंगः** पाइन शीविंग्स, स्ट्रॉ आदि से नमी और अम्लीयता स्थिर रहती है।
- **ड्रेनेज सुधारः** उठे–बेड, नालियाँ या रेत–मिश्रण करें।

## कंटेनर बनाम खुला खेत

- शुरुआती निवेश के लिए कंटेनर या उठे–बेड सुरक्षित विकल्प हैं।
- सफल होने पर खेत–स्तर पर विस्तार किया जा सकता है।

## सिंचाई और पोषण

- ड्रिप सिंचाई सर्वोत्तम है।
- पत्ती व मिट्टी परीक्षण कर पोषण संतुलित दें।
- जैविक खाद प्राथमिक रखें।

## व्यावहारिक चेकलिस्ट

- मिट्टी–टेस्ट करवाएँ।
- पीएच ≥ 5.6 हो तो सल्फर से घटाएँ।
- 30–50% कोकोपीट/पीट मिलाएँ।
- उठे–बेड बनाकर मल्च लगाएँ।
- प्रमाणित नर्सरी से पौधे लें।

## चुनौतियाँ और अवसर

- **स्रोत–पौधाः** स्थानीय प्रमाणित नर्सरी से ही खरीदें।
- **बाजारः** भारत में मांग बढ़ रही हैय निर्यात की संभावना भी है।
- **सरकारी पहलः** हिमाचल सरकार ने ब्लूबेरी उत्पादन हेतु ₹4 करोड़ का बजट स्वीकृत किया है।

## किसानों के अनुभव

- पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय के शोध में 'मिस्टी', 'ज्वेल', 'शार्पब्लू' किस्में सफल पाई गईं।
- कांगड़ा व शिमला में कंटेनर प्रयोगों से सकारात्मक परिणाम मिले।
- नेवा प्लांटेशन जैसी नर्सरी प्रशिक्षण व पौधे उपलब्ध करा रही है।

## निष्कर्ष

हिमाचल की मिट्टी और जलवायु ब्लूबेरी के लिए उपयुक्त है। सही मृदा संशोधन, वैज्ञानिक मार्गदर्शन और बाजार की समझ के साथ यह फसल किसानों के लिए नई उम्मीद और लाभकारी विकल्प बन सकती है।